आज विश्व वैटलैंड दिवस (2.2.2016) के अवसर पर सूर सरोवर पक्षी अभ्यारण में एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ जिसकी अध्यक्षता स्फीहा के उपाध्यक्ष अनिल ओबरॉय द्वारा की गयी।

संगोष्ठी के प्रारम्भ में दयालबाग शैक्षणिक संस्थान (डी.ई.आई) के जीव विज्ञान के अध्यक्ष डॉ संत प्रकाश ने सूर सरोवर पक्षी अभ्यारण को केवलादेव राष्ट्रीय पार्क, भरतपुर से अधिक क्षमताओं वाला बताया। उनके द्वारा यहां आने वाले प्रजातियों का नियमित डॉक्यूमेन्टेशन और इन्वेन्ट्री बनाये जाने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि यह सेन्क्चुरी ''रामसर साईट'बन सके जिसके होने पर यह अंतर्राष्ट्रीय महत्व की हो जायेगी। उन्हांेने सेंन्क्चुरी की बाउन्ड्री बनाये जाने, उसका क्षेत्र यमुना नदी तक बनाये जाने एवं कोर क्षेत्र को सुरक्षित रखे जाने की बात भी उठाई। उन्होंने यह भी कहा कि इस ईको टूरिज्म के मानको को ध्यान में रखते हुए पर्यटकों के मध्य लोकप्रिय बनाया जाना चाहिए। यह क्षेत्र भी ताज नेचर वॉक के रूप में बने और इसमें वृक्षों से घिरे पैदल मार्ग हो और इसका पूरा मैनेजमेन्ट प्लान भी बने।

आगरा डवलपमेन्ट फाउण्डेशन (एडीएफ) के सचिव के.सी.जैन द्वारा इस अवसर पर कीठम वैटलेन्ड की प्रशंसा करते हुए कहा गया कि यह आगरा की एक बड़ी धरोहर है जिसे हमें संरक्षित बनाये रखना है और आगरावासियों के मध्य इसके जुड़ाव को बढ़ाना है। जब तक पक्षियों, वृक्षों और पर्यावरण के प्रति हम संवेदनशील नहीं होंगे तब तक इन्हें बचाये रखना संभव नहीं हो सकेगा। विद्यार्थियों को भी कीठम वैटलैन्ड से रूबरू कराना चाहिए। यह स्थल आगरा में ''मस्ट विजिट'' वाले स्थानों में होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जितनी अच्छी वॉटर वॉडी कीठम वैटलैण्ड के रूप में वह आसपास कहीं भी उपलब्ध नहीं है।

वाइल्ड लाइफ एसओएस के वैजू द्वारा पावरपोइन्ट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से यह बात रखी गयी कि लगभग 8 वर्गकिमी0 क्षेत्र में फैले इस सेन्क्चुरी में झील का क्षेत्रफल 3 वर्गकिमी0 है जहां 165 प्रजातियों के पक्षी आते हैं, 300 से अधिक अजगर हैं और जैविक विविधता का यह उत्कृष्ट उदहारण हैं। यहां 270 भालू हैं और यहां प्रतिवर्ष 1000 से 1500 ग्रेट वाइट पेलिकल आती हैं।

श्री अनिल ओबरोय ने यह बात रखी कि हम प्रकृति के कस्टोडियन हैं लेकिन मानव प्रकृति को नुकसान पहुंचा रहा है, वन संसाधनों को नुकसान पहुंचाने की प्रवृत्ति को हमें जन सहभागिता के माध्यम से रोकना हैं। वनों के मैनेजमेन्ट प्लान का कार्यान्वयन बिना स्थानीय लोगों को सम्मिलित किये नहीं बनाया जा सकता है। मध्य प्रदेश में भी जोइन्ट मैनेजमेन्ट प्लान बनाये जाते हैं। विद्यालयों के इको क्लब के माध्यम से पक्षियों और वन जीवन के प्रति संवाद के माध्यम से जागरूकता उत्पन्न करनी होगी। हमारा उद्देश्य जनता के सहयोग से वन जीवन का संरक्षण और संवर्द्धन होना चाहिए ;च्तवजमबजपवद ूपजी जीम ीमसच व िचमवचसमद्ध।

सुप्रीम कोर्ट मॉनिटरिंग कमेटी के सदस्य रमन द्वारा वन भूमि में विकसित की गयी ककरैठा वैट के बारे में बताया गया जो 1.7 किमी0 लम्बे, 1किमी0 चैड़े क्षेत्र में है जहां 17 मीटर ढलान है, जहां 8 नाले गिरते हैं किन्तु एक बूंद भी प्रदूषित जल यमुना में नही जाता है, 11 तालाब बनाये गये, जिसमें 7 पानी से भरे हुए हैं, जहां पहले पानी की नमी नहीं थी अब 25 फुट गहराई तक है। हमें धीरज और धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए और पर्यावरण संरक्षण के कार्य में लगे रहना चाहिए। टीटीजेड के माध्यम से पर्यावरण और वैटलैण्ड्स को हम विकसित करा सकते हैं जो क्षेत्र के विकास के लिए एक बड़ अवसर बन सकती है। छात्रों के प्रवेश पर टिकट न लगाये जाने की बात भी रमन द्वारा रखी गयी।

कार्यक्रम का संचालन सूर सरोवर पक्षी अभ्यारण के वन प्रभारी अवध विहारी द्वारा किया गया जिन्होंने कीठम वैटलैण्ड के महत्व को भी रखा। मुकुल पाण्डया आदि अनेक वर्ड वॉचर्स भी इस मौके पर उपस्थित थे।

केसी जैन

सचिव

आगरा डवलपमेन्ट फाउण्डेशन